A-0226

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–508

M.A. SANSKRIT (MASL)

(नाटक एवं नाट्यशास्त्र भाग-02)

2nd Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. महाकवि भवभूति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का संक्षिप्त उल्लेख करते हुए, उनकी नाट्यरचना शैली पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

2. उत्तररामचरितम् में रस योजना की अपूर्वता का नाट्यशास्त्रीय नियमों के आलोक में, सोदाहरण विस्तृत विश्लेषण कीजिए।

3. धीरोदात्त नायक के नाट्यशास्त्रीय स्वरूप को रेखांकित करते हुए उत्तररामचरितम् के नायक के रूप में श्रीराम का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. उत्तररामचरितम् के सामाजिक संदेशों की समसामयिक लोकजीवन में प्रासंगिकता का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. निम्नलिखित श्लोकों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

यथेच्छाभोग्यं वो वनमिदमयं में सुदिवसः

सतां सद्भिः सङ्गः कथमपित हि पुण्येन भवति।

तरुच्छाया तोयं यदपि तपसां योग्यमशनं

फलं वा मूलं वा तदपि न पराधीनमिह वः॥

अथवा

वितरति गुरुः प्राज्ञे विद्यां यथैव तथा जडे,

न च खलु तयोर्ज्ञाने शक्तिं करोत्यपहन्ति वा।

भवति च तयोर्भूयान् भेदः फलं प्रति तद्यथा

प्रभवति शुचिर्बिम्बग्राहे मणिर्न मृदां चयः॥

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. उत्तररामचरितम् के मंगलपद्य को लिखकर उसका भावार्थ बताइए।
2. उत्तररामचरितम् में वर्णित भगवती सीता की चारित्रिक विशिष्टताओं का उदाहरण पूर्वक संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
3. उत्तररामचरितम् के चतुर्थ अंक का कथासार लिखिए।
4. उत्तररामचरितम् के छाया अंक का वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए।
5. गुणाः पूजास्थानं गुणिषु न च लिङ्गं न च वयः इस सूक्ति की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।
6. पुटपाकप्रतीकाशो रामस्य करुणों रसः इस पर टिप्पणी लिखिए।
7. वज्रादपि कठोराणि ..... इस श्लोक को पूर्ण लिखकर भावार्थ लिखिए।
8. सतां केनापि कार्येण लोकस्याराधनं व्रतम् उत्तररामचरितम् के इस सूक्ति वाक्य के सामाजिक संदेश को व्याख्यायित कीजिए।

****